<u>दिनांक 02.07.2026 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सम्पन्न समीक्षा बैठक की</u>

<u>कार्यवृत्त–</u>

दिनांक 02.07.2026 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में जल जीवन मिशन फेज–2, फेज–3 व फेज–5 की संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में की गई। जिसमें निम्न अधिकारी / प्रतिनिधि उपस्थित रहे–

1. मुख्य विकास अधिकारी, सिद्धार्थनगर।
2. जिला पंचायत राज अधिकारी, सिद्धार्थनगर।
3. श्री संजय कुमार जायसवाल, अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
4. श्री राजेश कुमार मिश्रा, डी0सी0, डी0पी0एम0यू0, सिद्धार्थनगर।
5. श्री अभिषेक यादव, डी0पी0एम0, टी0पी0आई0 सिद्धार्थनगर।
6. समस्त सहायक अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
7. समस्त जूनियर इंजीनियर, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
8. श्री प्रकाश कुसुमा, ए0जी0एम0 मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रा0लि0, सिद्धार्थनगर।
9. श्री सुरेश चौधरी, प्रोजेक्ट मैनेजर, (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।
10. श्री संजीव शर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर, जैक्शन विश्वराज, (जे0वी0), सिद्धार्थनगर।

जल जीवन मिशन के कार्यों हेतु तैनात कार्यदायी फर्मों की समीक्षा निम्नानुसार किया गया।

1. <u>कार्यदायी फर्म (मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि०, हैदराबाद)</u>

➤ जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत मेघा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. हैदराबाद को जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 459 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते फेज–2 के अन्तर्गत कुल 459 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 176 डी0पी0आर0 के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 176 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।

➤ कम्पोनेंट–वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम है। 212 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 193 पूर्ण हैं। इसी प्रकार 185 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 123 का कार्य पूर्ण है एवं मात्र 60 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।

➤ अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को विगत दो वर्ष पूर्व से ही प्री–कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण हेतु निर्देशित किया जाता रहा है। परंतु अभी तक 8 परियोजना पर प्री–कास्ट ओवर हेड टैंक निर्माण कार्य किया गया है, इस पर परियोजना प्रबंधक, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० द्वारा बताया गया कि फर्म द्वारा 121 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल / टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलम्ब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।

➢ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० पर कुल 7 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

➢ परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट–वार प्रगति निम्नानुसार है–

Sr. No	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Un started	Completed	Work in progress	Un started
1	TUBEWELL	Nos.	212	211	1	0	99.53	0.47	0.00
2	PUMP HOUSE	Nos.	212	196	14	2	92.45	6.60	0.94
3	PIPELINE	KM	1611.84	1435.80	0	176.04	89.08	0.00	10.92
4	OVERHEAD TANK	Nos.	185	123	62	0	66.49	33.51	0.00
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	78285	50576	-	27709	64.60	-	35.40
A	Direct water supply	Schemes	176	121			68.75%		
B	100 % commissioning	Schemes	176	41			23.30%		
5	Road Reinstatement	Village Wise	Total Dismantling qty- 434 Village	Total Reinstatement Done- 277 Village			-		-

➢ कार्यदायी फर्म मेघा के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 10.06.2026 को अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया कि 10 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 10 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। कार्यदायी फर्म द्वारा 10 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 1 योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित किया गया है। जिस सम्बन्ध में अधोस्ताक्षरी द्वारा अधिक प्रगति बढाने हेतु निर्देश दिया गया कार्यदायी फर्म मेघा के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्तः किया गया है कि अगले 1 माह के अन्दर 5 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 5 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा।

2. <u>कार्यदायी फर्म (वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद)</u>

➢ जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत वी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद को फेज–3 के अन्तर्गत कुल 525 राजस्व ग्रामों का कार्य आवंटित किया गया, जिसको सम्मलित करते हुए 163 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना था। जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा अवगत कराया गया कि 163 योजनाओं पर कार्य प्रारम्भ किया गया है।

➢ अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि फर्म को सभी 160 परियोजनाओं हेतु भूमि उपलब्ध करा दिया गया है तथा फर्म द्वारा इन सभी पर ट्यूबवेल ड्रिलिंग का कार्य भी कर लिया गया है। अपितु फर्म द्वारा कतिपय कार्यस्थलों पर बीच–बीच में कार्य बंद किए जाने पर, पुनः भूमि विवाद उत्पन्न हो जा रहा है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है।

➢ कम्पोनेंट–वार प्रगति समीक्षा में पाया गया कि पम्प हाउस एवं ओवरहेड टैंक की प्रगति अत्यंत कम है। 184 स्वीकृत पम्प हाउस के सापेक्ष 173 पूर्ण हैं। इसी प्रकार 163 स्वीकृत ओवरहेड टैंक के सापेक्ष अभी तक 88 का कार्य पूर्ण है, परंतु मात्र 32 टैंक से जलापूर्ति की जा रही है।

➢ फर्म द्वारा 70 परियोजनाओं पर जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलम्ब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।

➢ अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यादायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से बी.एस.ए–एस.सी.एल, हैदराबाद पर कुल 3 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।

➢ परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट–वार प्रगति निम्नानुसार है–

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Un started	Completed	Work in progress	Un started
1	TUBEWELL	Nos.	184	182	0	2	98.91	0	1.09
2	PUMP HOUSE	Nos.	184	173	8	3	94.02	4.35	1.63
3	PIPELINE	KM	1726	1618	0	108.00	94.07	0	6.34
4	OVERHEAD TANK	Nos.	163	88	70	5	53.99	42.94	3.07
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	96417	50588	-	45829	52.47	-	47.53
A	Direct water supply	Schemes	163	70			42.94%		
B	100 % commissioning	Schemes	163	9			5.52%		
5	Road Reinstatement	Village Wise	Total Dismantling qty- 408 Village	Total Reinstatement Done- 180 Village			-		-

➢ कार्यादायी फर्म– बी.एस.ए–एस.सी.एल. हैदराबाद की अत्यंत धीमी प्रगति एवं पर्याप्त मैनपावर नहीं होने पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए फर्म के पी0एम0 को निर्देशित किया गया कि उचित मैनपावर बढ़ाते हुए समयान्तर्गत पेयजल योजनाओं के समस्त कार्य पूर्ण करायें।

➢ फर्म द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति में कोई सुधार नही किया जा रहा हैं हर महीने में मात्र 3 से 4 ही शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण हो पा रहा है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि फर्म द्वारा तय समय–सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर पाना सम्भव नही होगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेशित किया गया कि उचित मैन पावर लगाते हुए योजनाओं के समस्त कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

➢ कार्यदायी फर्म एस0सी0एल0 के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 10.06.2026 को अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्त किया गया कि 5 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 6 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। कार्यदायी फर्म द्वारा 4 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 2 योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित किया गया है। जिस सम्बन्ध में अधोस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया कार्यदायी फर्म एस0सी0एल0 के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्त किया गया है कि अगले 1 माह के अन्दर 5 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 6 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा।

3. कार्यदायी फर्म (जैक्सन–विश्वराज जे०वी०, नई दिल्ली)

- जल जीवन मिशन फेज–5 के अन्तर्गत चयनित फर्म जैक्शन– विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर), नई दिल्ली को कुल 1083 राजस्व ग्राम आवंटित है, जिसके सापेक्ष 1083 राजस्व ग्रामों को सम्मिलित करते हुए 423 DPR के माध्यम से संतृप्त किया जाना है।
- 423 परियोजनाओं मे कुल 440 ट्यूबवेल का कार्य स्वीकृत है। जिसके सापेक्ष 403 ट्यूबवेल का कार्य कर लिया गया है। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि शेष परियोजनाओं पर भूमि विवाद अथवा अनुपलब्धता के कारण कार्य अनारंभ है। भूमि विवाद निस्तारण हेतु नियमित तौर पर संबंधित तहसील में संपर्क कर प्रयास किया जा रहा है। निर्देशित किया गया कि भूमि प्रकरणों के निस्तारण के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा अगली बैठक में भूमि संबंधी विवाद निस्तारण का आश्वासन दिया गया।
- परियोजनाओं की कम्पोनेन्ट–वार प्रगति निम्नानुसार है–

Sr.no	Component	UOM	Target	Progress			Progress %		
				Completed Total	Work in progress	Un started	Completed	Work in progress	Un started
1	TUBEWELL	Nos.	440	403	0	37	91.59	0	8.41
2	PUMP HOUSE	Nos.	440	262	152	26	59.55	34.55	5.90
3	PIPELINE	KM	4476	4293	0	183	95.91	0	4.09
4	OVERHEAD TANK	Nos.	423	88	198	137	20.80	46.81	32.39
5	HOUSE CONNECTION	Nos.	216272	71274	-	144998	32.96	-	67.04
A	Direct water supply	Schemes	423	95			22.46%		
B	100 % commissioning	Schemes	423	25			5.91%		
5	Road Reinstatement	Village Wise	Total Dismantling qty- 600 Village		Total Reinstatement Done- 141 Village		-		-

- अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा समस्त जनपद के अधिशासी अभियंता एवं समस्त कार्यदायी एजेंसी की प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक की जा रही है। जिसमें धीमी प्रगति की वजह से जैक्शन–विश्वराज (ज्वाइंट वेन्चर) पर कुल 7 प्रतिशत Liquidated damages की पेनाल्टी लगाई गई है। परंतु इसके उपरांत भी कार्य गति में अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हो रहा है।
- कार्यदायी फर्म जैक्शन के PM द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 10.06.2026 को अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्त किया गया कि 7 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 10 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा। कार्यदायी फर्म द्वारा 4 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 5 योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित किया गया है। जिस सम्बन्ध में अधोस्ताक्षरी द्वारा रोष व्यक्त किया गया कार्यदायी फर्म जैक्शन के PM द्वारा बैठक में अधोहस्ताक्षरी को अस्वस्त: किया गया है कि अगले 1 माह के अन्दर 5 नग शिरोपरि जलाशय का कार्य तथा 4 नग योजनाओं को Operation and maintance में सम्मिलित कर लिया जायेगा।
- फर्म द्वारा 167 परियोजनाओं पर डायरेक्ट ट्यूबवेल से जलापूर्ति प्रारंभ की गई। परंतु अधिशासी अभियंता द्वारा बताया गया कि स्थलीय निरीक्षण में अधिकतम परियोजनाओं पर नियमित जलापूर्ति नहीं होने की शिकायत मिल रही है तथा ट्राइल/टेस्टिंग में होने वाले लीकेज के मरम्मत में विलंब किया जा रहा है, जिसकी शिकायतें IGRS / JJM Grievance Portal पर प्राप्त हो रही हैं।
- कार्यदायी फर्म जैक्शन–विश्वराज के पी०एम० द्वारा बताया गया कि 21 परियोजनाओं पर भूमि विवाद के कारण कार्य शुरू नही हो पाया, की बात कही गई। जिसपर अधोहस्ताक्षरी ने अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर को सूची उपलब्ध कराने हेतु आदेशित किया गया है।
- अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ के पत्रांक 2487/JJM Letter/2025–26/Tech–20 दिनांक 30 अक्टूबर–2025 के क्रम मे श्रोत स्थिरता सुनिश्चित किये जाने हेतु श्रोत स्थिरता कार्ययोजना बनाकर प्रेषित किये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हैं, जिस सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर को निर्देश दिया गया है कि उक्त कार्य योजना को तैयार कर प्रस्तुत करें।

- फर्म द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कार्य की प्रगति में कोई सुधार नही किया जा रहा है हर महीने में मात्र 2 से 3 ही शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य पूर्ण हो पा रहा है, जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि फर्म द्वारा तय समय–सीमा के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर पाना सम्भव नही होगा। अधोहस्ताक्षरी द्वारा आदेशित किया गया कि उचित मैन पावर लगाते हुए योजनाओं के समस्त कार्य समयान्तर्गत पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा 05.05.2026 को सम्पन्न बैठक में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत हर–घर नल की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पाइप लाइन बिछाने के दौरान काटी गयी सड़कों को अतिशीघ्र ठीक कराने हेतु सम्बन्धित फर्मों एवं अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर को आदेशित किया गया है एवं साथ ही ग्रीष्म कालीन ऋतु को देखते हुए सीधे नलकूप के माध्यम से ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करें।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर को आदेशित किया गया कि विगत दो माह में पूर्ण की गयी 23 योजनाओं जो Operation and maintance में सम्मिलित की गयी है उन योजनाओं का सत्यापन जिला पंचायत राज अधिकारी के माध्यम से कराते हुए आख्या प्रेषित करना सुनिश्चित करें एवं साथ ही यह भी आदेशित किया गया है कि पूर्ण की गयी योजनाओं को विधान सभावार मा0 जन प्रतिनिधियों द्वारा जल अर्पण कराना सुनिश्चित करें।
- अधोहस्ताक्षरी सम्बन्धित एजेन्सी को यह भी आदेशित किया गया है कि जो 75 योजनाएं Operation and maintance में सम्मिलित की गयी है उन योजनाओं पर नियमित जलापूर्ति कराना सुनिश्चित करें।
- समस्त फर्मों को यह भी आदेशित किया गया कि शिरोपरि जलाशय के कार्यों में किसी भी प्रकार की सिथिलता न बरतें, प्राप्त एन0सी0 के सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल निगम के समस्त सहायक अभियन्ता, जूनियर इंजीनियर एवं टी0पी0आई0 को आदेशित किया गया कि सम्बन्धित फर्मों से समन्वय स्थापित करते हुए अपने से सम्बन्धित एन0सी0 को समयान्तर्गत निस्तारित करना सुनिश्चित करें।
- जल निगम द्वारा निर्माणाधीन 10 नग पाइप पेयजल योजनाओं का कार्य अपूर्ण पाया गया जिस पर अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर द्वारा बताया गया कि पिछले 2 साल से भुगतान न होने के कारण कार्य अपूर्ण है।
- भारत सरकर एवं राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में एकल ग्राम योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति मार्च–2027 तक पूर्ण करने हेतु निर्देश प्राप्त हैं, जिसमें मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग के 48 नग वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 के 25 नग तथा जेक्शन विश्वराज के 112 नग कुल 185 नग योजनाएं हैं, जिस सम्बन्ध में सम्बन्धित एजेन्सी एवं अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सिद्धार्थनगर को निर्देशित किया गया है मार्च–2027 तक एकल ग्राम योजनाओं की 185 नग योजनाएं प्रत्येक दशा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

(शिवशरणप्पा जी0एन0)
जिलाधिकारी

कार्यालय जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर।

दिनांक– 15-7-2026

पत्रांक– 1974/ [illegible]-15/ 62

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

1. प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उ.प्र. शासन, लखनऊ।
2. मंडलायुक्त, बस्ती मण्डल को सादर अवलोकनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर।
4. अधिशासी अभियंता, उ० प्र० जल निगम(ग्रामीण), सिद्धार्थनगर।
5. पी०एम०, मेघा इंजी० एण्ड इंफ्रा० लि०।
6. पी०एम०, वी0एस0ए0 एस0सी0एल0 (जे0वी0) ।
7. पी०एम०, जेक्सन–विश्वराज (जे०वी०)।
8. टी०पी०एम०, थर्ड पार्टी इन्स्पेक्शन एजेंसी, जल जीवन मिशन, सिद्धार्थनगर।

जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर।